लिंग विकास : लिंग का अर्थ (Gender development : Meaning of gender Roles).

साधारण शब्दों में व्यक्ति की पुरुष या महिला के रूप में सार्वजनिक छवि, जो अन्य लोगों के सामने प्रस्तुत होती है, वही उसकी जेण्डर भूमिका कहलाती है। जेण्डर भूमिका व्यवहार का एक समुच्चय है जो किसी व्यक्ति के स्त्रियोचित या पुरुषोचित प्रतिबिम्ब को प्रस्तुत करता है जो उसके जेण्डर की पहचान होती है। बालकों का व्यवहार उनकी जेण्डर भिन्नता को व्याख्यायित करता है। कुछ कहते हैं लड़की या लड़का होना वंशानुक्रम से निर्धारित होता है, कुछ कहते हैं माता-पिता के व्यवहार से लड़का या लड़की व्यवहार करना सीखते हैं। संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार बालकों के जेण्डर विकास और संज्ञानात्मक विकास के मध्य घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। बालक स्वयं जेण्डर की पहचान करता है और उसी के अनुरूप व्यवहार करता है। जेण्डर और लिंग (सेक्स - Sex) दोनों का अर्थ एक ही नहीं होता। जेण्डर पुरुषोचित (Masculinity) और स्त्रियोचित (Femininity) के मध्य अन्तर स्थापित करता है। जिसमें निम्न विशेषतायें सम्मिलित होती हैं। जो कि अग्रलिखित हैं :-

Scanned with CamScanner

(i) वैयक्तिक गुणधर्म (Personal Attributes)
(ii) सामाजिक भूमिका (Social Roles)
(iii) सामाजिक रीतियाँ (Social Customs)
(iv) क्रियाकलाप (Activities)
(v) व्यवहार (Behaviour)

काल एवं संस्कृति के अनुसार जेण्डर की विशेषताओं में भी अन्तर होता है। उदाहरणार्थ, अगर एक लड़की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराती है तो उस समय 'लिंग' शब्द सामाजिक हो जाता है। 'लिंग' शब्द का एक स्थायी स्वरूप होता है – या तो पुरुष (XY) या महिला (XX)। सामान्य रूप से कहा जा सकता है कि सेक्स जैविक है जबकि जेण्डर सामाजिक। जेण्डर के बारे में बालकों की संज्ञानात्मक समझ बालक के व्यवहार को निर्धारित करती है।

खेलों में लड़कियां अपनी माँ की तरह काल्पनिक भूमिका निभाती हैं और लड़के अपने पिता की तरह व्यवहार करते हैं। जेण्डर पहचान का मतलब है स्वयं के लड़की एवं लड़का होने की समझ। जेण्डर पहचान बहुआयामी होती है और इस पर बहुत से कारकों का प्रभाव पड़ता है।

Scanned with CamScanner

* जेण्डर स्टीरियोटाइप (लिंग संबंधी रूढ़िवादिता) (Gender Stereotype) :—

भूमिका :—

किसी भी समूह की विशेषताओं के प्रति आम धारणा या विश्वास स्टीरियोटाइप कहलाते हैं। ये धारणायें एक समूह को दूसरे समूह से पृथक करती हैं। जेण्डर स्टीरियोटाइप का अर्थ है :— "पुरुष और स्त्री, लड़के और लड़की के लिए आम विश्वास या आम धारणा।"

लगभग सभी बालक जेण्डर स्टीरियोटाइप को जानते हैं। जरूरी नहीं है कि यह जानकारी परिवार की प्रवृत्तियों और मूल्यों से ही मिली हो, मीडिया, साथियों (विशेषकर स्कूल के साथी) से अन्तक्रिया तथा अन्य बहुत से कारक होते हैं जिनसे बालक जेण्डर स्टीरियोटाइप को जान जाता है।

लड़कियों को आम धारणा के अनुरूप उनके कपड़ों, गहनों, बाल सजने के तरीके आदि से समझा जाता है। लड़कों को इनके विपरीत उनकी सक्रियता और व्यवहार सम्बन्धित बातों से समझा जाता है। जैसे — मारपीट करना, कठिन खेल, सक्रियता वाले कार्य। विभिन्न संस्कृतियों में लड़के और लड़कियों के जेण्डर स्टीरियोटाइप की अक्सर तुलना की जाती है।

Scanned with CamScanner

* जेण्डर स्टीरियोटाइपिंग को प्रभावित करने वाले कारक (Influences on Gender Role and stereoptype) :—

सर्वप्रथम 1972 में समाजशास्त्री अन्न ओकले ने अपनी पुस्तक "सेक्स, जेण्डर एण्ड सोसायटी" में 'सेक्स' शब्द की महत्ता का वर्णन किया। उनके अनुसार 'सेक्स' यानी – स्त्री एवं पुरुष का जैविकीय विभाजन तथा जेण्डर का अर्थ स्त्रीत्व एवं पुरुषत्व के रूप में सामानान्तर और सामाजिक रूप से असमान विभाजन से है। अर्थात् जेण्डर स्त्रियों एवं पुरुषों के बीच सामाजिक रूप से निर्मित भिन्नता के पहलुओं पर ध्यान आकर्षित करती है।

जेण्डर स्टीरियोटाइपिंग को प्रभावित करने वाले कारण निम्नलिखित हैं:

(i) मीडिया :— मीडिया स्टीरियोटाइप को बहुत अधिक बढ़ावा देता है। विज्ञापनों में यह स्पष्ट दिखाई देता है। अक्सर देखा जाता है कि कम्प्यूटर के विज्ञापनों में दिखाते हैं कि पुरुष और लड़के पूरी दक्षता के साथ कम्प्यूटर का प्रयोग कर रहे हैं, बड़े व्यावसायिक पदों पर बैठकर कम्प्यूटर के साथ कार्य कर रहे हैं, वहीं महिलाओं और लड़कियों को आकर्षक एवं खूबसुरती के वजह से कम्प्यूटर के बगल में खड़ा कर दिया जाता है।

Scanned with CamScanner

(2) फिल्में (Movies) जेण्डर भूमिका और स्टीरियोटाइपिंग के बारे में प्रचार-प्रसार करने में फिल्में बहुत आगे रहती है। फिल्मों में दिखाये जाने वाले महिला चरित्र से लड़कियाँ अपने आपको जोड़ने लगती है, उन्ही की तरह व्यवहार करने का प्रयास करती है। उसी तरह लड़के भी हिम्मत, साहस और सक्रियता का प्रदर्शन करना चाहते है।

(3) अध्यापक (Teacher): विद्यार्थियों में जेण्डर की समझ का विकास पर अध्यापकों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। अध्यापक वस्त्रों, स्वच्छता, सहायता करने वाले व्यवहार के आधार पर लड़कियों की प्रशंसा करते है। इसके विपरीत ताकत, शारीरिक कौशल, शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर लड़कों की प्रशंसा करते है। अध्यापक लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग सम्बोधन का प्रयोग करते है, लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा अधिक नरम ढंग से सम्बोधित करते है। कभी-कभी अध्यापक गैरइरादतन अनुचित स्टीरियोटाइप भेदभाव छात्रों और छात्राओं के मध्य कर देते है। कुछ अध्यापक लड़कों की अपेक्षा लड़कियों को पढ़ाना आसान समझते है।

14 Sunday

Scanned with CamScanner

(4) मित्र (friends):- बच्चे अपने मित्रों के साथ अन्तर्क्रिया करके जेण्डर पहचान बनाते हैं। मित्रता और साथियों का दबाव जेण्डर स्टीरियोटाइप को प्रभावित करता है, खासतौर से 'लड़का' के महत्व, जो लड़के लड़कियों की तरह गुण प्रदर्शित करते हैं, उनकी खिल्ली उड़ाते हैं। जब अपने मित्रों के साथ खेलता है तो उसके खिलौने से जेण्डर पहचान दिखाई पड़ती है।

(5) परिवार (family):- जेण्डर के बारे में जानने में परिवार का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। माता-पिता अक्सर कुछ व्यवहार की सराहना करते हैं और कुछ व्यवहारों को हतोत्साहित करते हैं। इन सबका प्रभाव जेण्डर पहचान पर पड़ता है। परिवार की संस्कृति और जातीय विशेषताओं के अनुरूप बालक की जेण्डर के प्रति समझ विकसित होती है। विविध जातियों का सांस्कृतिक पक्षपात भी बालकों में स्टीरियोटाइप के विकास को बढ़ावा देते हैं। मुख्यधारा की संस्कृति में ऐसा कम ही होता है।

(6) साहित्य (Literature)- किताबों का बालकों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। किताबों में जो मुख्य पात्र होते हैं वो बालकों के लिए आदर्श बन जाते हैं और पुरुषोचित या स्त्रियोचित की परिभाषा बालकों को समझाते हैं।

Scanned with CamScanner